भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
आर्थिक कार्य विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 23
(जिसका उत्तर सोमवार दिनांक 03 फरवरी**,** 2025/14 माघ**,**1946 (शक) को दिया जाना है)

खुदरा व्यापारियों को नुकसान

23. श्री श्रीभरत मतुकुमिल्लि:

क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) क्या सेबी द्वारा हाल ही में किए गए विश्लेषण से पता चला है कि खुदरा व्यापारियों को सामूहिक रूप से 1.81 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ है, जिसमें 93% व्यापारियों को नुकसान हुआ है ;
(ख) इस अध्ययन के बाद इसके निष्कर्षों पर विचार करने हेतु सेबी द्वारा उठाए गए उपायों का ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सेबी ने ऐसे देशों का कोई अध्ययन या तुलना की है जिन्होंने ऐसे ही विनियमन लागू किए हैं और उक्त विनियमनों के क्या परिणाम हुए हैं;
(घ) क्या सरकार ने सेबी द्वारा किए गए प्रतिबंधात्मक उपायों की प्रभावशीलता के संबंध में कोई अध्ययन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है; और
(ङ) क्या सरकार का प्रतिबंधात्मक उपायों के बदले व्यापारियों के लिए किसी जागरूकता कार्यक्रम का प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वित्त राज्य मंत्री
(श्री पंकज चौधरी)

(क): भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने दिनांक 23 सितंबर 2024 को अपनी वेबसाइट पर एक अध्ययन प्रकाशित किया जिसमें पाया गया कि व्यक्तिगत फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस (एफएंडओ) व्यापारियों का कुल घाटा वर्ष 2021-22 और 2023-24 के बीच तीन साल की अवधि में 1.8 लाख करोड़ रुपये से अधिक हुआ है और इसी अवधि के दौरान 93 प्रतिशत व्यक्तिगत एफएंडओ व्यापारियों को घाटा हुआ।

ख) से घ): सेबी ने इक्विटी इंडेक्स डेरिवेटिव फ्रेमवर्क को मजबूत करने के लिए दिनांक 01 अक्टूबर, 2024 के अपने परिपत्र के माध्यम से निवेशक संरक्षण और बाजार स्थिरता बढ़ाने के लिए एक विशेषज्ञ कार्य समूह की सिफारिशों और विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श के आधार पर विभिन्न उपाय किए हैं। चरणबद्ध उपायों में एक्सचेंजों द्वारा पेश किए जा रहे साप्ताहिक इंडेक्स डेरिवेटिव्स उत्पादों को युक्तिसंगत बनाना, इंडेक्स डेरिवेटिव्स के लिए अनुबंध के आकार में वृद्धि और समाप्ति के दिन शॉर्ट ऑप्शन पोजीशन पर मार्जिन में वृद्धि - 20 नवंबर, 2024 से प्रभावी; खरीदारों से विकल्प प्रीमियम का अग्रिम संग्रह और समाप्ति के दिन कैलेंडर स्प्रेड ट्रीटमेंट को हटाना- दिनांक 10 फरवरी, 2025 से और दिनांक 1 अप्रैल, 2025 से स्थिति सीमा की आंतरिक निगरानी शामिल है।

ये उपाय मुख्य रूप से एफ एंड ओ खंड में सट्टा व्यापार संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए किए गए थे। अक्टूबर-दिसंबर, 2024 के दौरान एफएंडओ पर प्रीमियम टर्नओवर और नोशनल टर्नओवर आंकड़े दर्शाते हैं कि इंडेक्स ऑप्शंस में इस तरह की गतिविधि उपयुक्त रूप से कम हुई है। हालाँकि, चूंकि ये उपाय चरणबद्ध रहे हैं, इसलिए उनके प्रभाव की निगरानी जारी रहेगी।

ङ): सरकार ने सेबी और विभिन्न अन्य बाजार मध्यस्थ संस्थानों (एमआईआई) के माध्यम से निवेशक जागरूकता और शिक्षा बढ़ाने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं। खुदरा एफएंडओ व्यापारियों सहित सभी निवेशकों के लिए ये कार्यक्रम बुनियादी निवेश सिद्धांतों, उत्पाद विशेषताओं, निहित जोखिमों, निवेशक अधिकारों और जिम्मेदारियों, निवेश घोटालों की सामान्य बातों आदि जैसे विभिन्न विषयों को शामिल करते हैं। इन्हें हिंदी और अंग्रेजी के अलावा विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में निःशुल्क आयोजित किया जाता है। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान आयोजित ऐसे निवेशक जागरूकता और शैक्षिक कार्यक्रमों का विवरण इस प्रकार है-

विवरण	**कुल आयोजित कार्यक्रम**
जागरूकता कार्यक्रमों की संख्या	43,826
प्रतिभागियों की संख्या	27,93,653
कवर किए गए राज्य/संघ राज्य क्षेत्र और जिले	36 राज्य/संघ राज्य क्षेत्र तथा 687 जिले

*****